उत्तर प्रदेश बजट विश्लेषण

2025-26

उत्तर प्रदेश के वित्त मंत्री श्री सुरेश खन्ना ने 20 फरवरी 2025 को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए राज्य का बजट पेश किया।

बजट के मुख्य अंश

- 2025-26 के लिए उत्तर प्रदेश का **सकल राज्य घरेलू उत्पाद** (जीएसडीपी) (मौजूदा कीमतों पर) 30.8 लाख करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 की तुलना में 12% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** 7,57,333 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 17% की वृद्धि है। इसके अलावा राज्य को 51,403 करोड़ रुपए का कर्ज भी चुकाना होगा।
- 2025-26 के लिए **प्राप्तियां (उधारियों को छोड़कर)** 6,65,933 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 21% की वृद्धि है।
- 2025-26 में **राजस्व अधिशेष** जीएसडीपी का 2.6% (79,516 करोड़ रुपए) होने का अनुमान है जबकि 2024-25 में संशोधित अनुमान चरण में राजस्व अधिशेष जीएसडीपी का 2.1% (59,008 करोड़ रुपए) था।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 3% (91,400 करोड़ रुपए) पर लक्षित है। 2024-25 में, संशोधित अनुमान के अनुसार, राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3.4% होने की उम्मीद है।

नीतिगत विशिष्टताएं

- **सड़कें**: 1,050 करोड़ रुपए की लागत से चार नए एक्सप्रेसवे बनाए जाएंगे। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे, (ii) गंगा एक्सप्रेसवे, (iii) विंध्य एक्सप्रेसवे और (iv) बुंदेलखंड-रीवा एक्सप्रेसवे। कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए मुख्यमंत्री ग्राम योजना के तहत नई ग्रामीण सड़कें बनाई जाएंगी और मौजूदा सड़कों की मरम्मत की जाएगी। इसके लिए 200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
- **डिफेंस कॉरिडोर**: 461 करोड़ रुपए की लागत से बुंदेलखंड-रीवा एक्सप्रेसवे के किनारे एक डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर बनाया जाएगा। इससे 9,500 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित होने का अनुमान है। .
- **डेटा सेंटर**: राज्य की मौजूदा डेटा सेंटर नीति में तीन डेटा सेंटर पार्क स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। इस लक्ष्य को संशोधित कर राज्य भर में 900 MW क्षमता वाले आठ डेटा सेंटर पार्क स्थापित किए जाएंगे।
- **सौर ऊर्जा**: कोल इंडिया लिमिटेड के सहयोग से जालौन में 500 MW की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की जाएगी। इस परियोजना पर 2,500 करोड़ रुपए की लागत का अनुमान है। झांसी में 200 MW का सोलर प्रोजेक्ट भी लगाया जाएगा।
- **आवासीय विद्यालय**: अटल आवासीय विद्यालयों की नामांकन क्षमता 360 से बढ़ाकर 1,000 की जाएगी। इन स्कूलों में निर्माण श्रमिकों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा प्रदान की जाती है।

नृपेंद्र सिंह
nripendra@prsindia.org

25 मार्च, 2025

उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था

- **जीएसडीपी**: 2023-24 में उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी (स्थिर कीमतों पर) पिछले वर्ष की तुलना में 7.5% बढ़ने का अनुमान है। इसकी तुलना में 2023-24 में भारत की जीडीपी 8.2% बढ़ने का अनुमान है।
- **क्षेत्र**: 2023-24 में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में 13% (स्थिर कीमतों पर), इसके बाद कृषि (7.3%), और सेवाओं (4.9%) की वृद्धि होने का अनुमान है। 2023-24 में राज्य की अर्थव्यवस्था में कृषि और मैन्यूफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों का योगदान 27% (मौजूदा कीमतों पर), जबकि सेवा क्षेत्रों का योगदान 46% होने का अनुमान है।
- **प्रति व्यक्ति जीएसडीपी**: 2023-24 में उत्तर प्रदेश की प्रति व्यक्ति जीएसडीपी (मौजूदा कीमतों पर) 1,07,468 रुपए होने का अनुमान है, जो 2022-23 की तुलना में 10.4% की वृद्धि है। 2023-24 में भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,15,935 रुपए होने का अनुमान है, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 11% की वृद्धि है।

रेखाचित्र 1: उत्तर प्रदेश में स्थिर मूल्यों पर (2011-12) जीएसडीपी और विभिन्न क्षेत्रों में वृद्धि

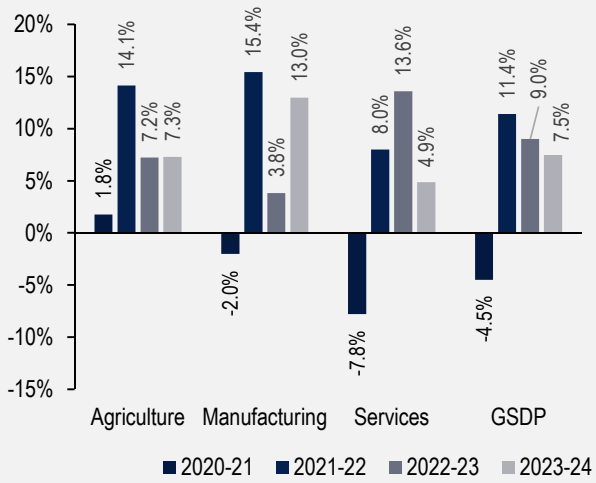

नोट: ये आंकड़े स्थिर कीमतों (2011-12) के अनुसार हैं, जिसका अर्थ है कि विकास दर को मुद्रास्फीति के लिए समायोजित किया गया है। स्रोत: एमओएसपीआई; पीआरएस।

2025-26 के लिए बजट अनुमान

- 2025-26 में 7,57,333 करोड़ रुपए के **कुल व्यय (ऋण चुकौती को छोड़कर)** का लक्ष्य है। इसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान के मुकाबले 17% की वृद्धि है। इस व्यय को 6,65,933 करोड़ रुपए की **प्राप्तियों (उधारियों को छोड़कर)** और 61,906 करोड़ रुपए की शुद्ध उधारी के माध्यम से पूरा करने का प्रस्ताव है। 2025-26 के लिए कुल प्राप्तियां (उधार के अलावा) 2024-25 के संशोधित अनुमान से 21% अधिक होने की उम्मीद है।
- राज्य का अनुमान है कि 2025-26 में जीएसडीपी का 2.6% **राजस्व अधिशेष** (79,516 करोड़ रुपए) होगा, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान चरण में जीएसडीपी का 2.1% (59,008 करोड़ रुपए) राजस्व अधिशेष होगा। 2024-25 में उत्तर प्रदेश ने जीएसडीपी का 3% (74,147 करोड़ रुपए) राजस्व अधिशेष का बजट रखा था।
- 2025-26 के लिए **राजकोषीय घाटा** जीएसडीपी के 3% (91,400 करोड़ रुपए) पर लक्षित है, जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 3.4%) से कम है। 2025-26 में राज्यों की उधार सीमा जीएसडीपी का 3.5% तय की गई है, जिसमें से जीएसडीपी का 0.5% इस शर्त से जुड़ा है कि राज्यों ने बिजली क्षेत्र में कितने सुधार किए हैं।

तालिका 1: बजट 2025-26- मुख्य आंकड़े (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
कुल व्यय	5,69,747	7,36,438	6,75,587	-8%	8,08,736	20%
(-) ऋण का पुनर्भुगतान	21,389	39,806	29,877	-25%	51,403	72%
शुद्ध व्यय (E)	**5,48,358**	**6,96,632**	**6,45,710**	**-7%**	**7,57,333**	**17%**
कुल प्राप्तियां	5,88,290	7,21,334	6,52,138	-10%	7,79,243	19%
(-) उधारियां	1,20,654	1,11,233	1,01,233	-9%	1,13,310	12%
शुद्ध प्राप्तियां (R)	**4,67,636**	**6,10,101**	**5,50,905**	**-10%**	**6,65,933**	**21%**
राजकोषीय घाटा (E-R)	**80,723**	**86,531**	**94,805**	**10%**	**91,400**	**-4%**
जीएसडीपी का %	3.2%	3.5%	3.4%		3.0%	
राजस्व अधिशेष	**36,013**	**74,147**	**59,008**	**-20%**	**79,516**	**35%**
जीएसडीपी का %	1.4%	3.0%	2.1%		2.6%	
प्राथमिक घाटा	**33,445**	**32,819**	**41,000**	**25%**	**27,304**	**-33%**
जीएसडीपी का %	1.3%	1.3%	1.5%		0.9%	
जीएसडीपी	25,47,861	24,99,076	27,51,397	10%	30,77,500	12%

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। उत्तर प्रदेश को 2023-24 में पूंजीगत व्यय के लिए केंद्र से 50 वर्ष के ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 19,215 करोड़ रुपए मिले। ये ऋण राज्यों की उधार सीमा में शामिल नहीं हैं। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में व्यय

- 2025-26 के लिए **राजस्व व्यय** 5,83,175 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 19% अधिक है। इसमें वेतन, पेंशन, ब्याज, अनुदान और सबसिडी पर होने वाला खर्च शामिल है।
- 2025-26 के लिए **पूंजीगत परिव्यय** 1,65,243 करोड़ रुपए प्रस्तावित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 12% अधिक है। पूंजीगत परिव्यय परिसंपत्तियों के निर्माण पर होने वाले व्यय को दर्शाता है।
- 2025-26 में राज्य द्वारा ऋण और अग्रिम (एडवांस) 8,915 करोड़ रुपए होने की उम्मीद है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 5% कम है।

बजट अनुमानों से संबंधित मुद्दे

राज्य बजट में तीन तरह के आंकड़े होते हैं: (i) बजट अनुमान (बअ): आगामी वित्तीय वर्ष के लिए अनुमान, (ii) संशोधित अनुमान: चालू वित्तीय वर्ष के लिए बजट अनुमान में संशोधन, और (iii) वास्तविक: पिछले वर्ष के लिए अंतिम लेखापरीक्षित राशि। वास्तविक अनुमान बअ से कम या अधिक हो सकते हैं। वास्तविक अनुमानों के साथ बअ की तुलना प्रस्तावित बजट की विश्वसनीयता को समझने में मदद करती है। उत्तर प्रदेश के लिए इस तरह की तुलना कई वर्षों से लगातार कम खर्च और कम राजस्व प्राप्ति को दर्शाती है। 2015-16 और 2022-23 के बीच उत्तर प्रदेश ने बजट अनुमानों की तुलना में 13% कम राजस्व जुटाया जबकि इसका व्यय 16% कम था। 2023-24 में राज्य की वास्तविक राजस्व प्राप्तियां बजट अनुमानों से 18% कम थीं और शुद्ध व्यय बजट से 17% कम था।

तालिका 2: बजट 2025-26 में व्यय (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राजस्व व्यय	4,29,788	5,32,655	4,88,598	-8%	5,83,175	19%
पूंजीगत परिव्यय	1,10,555	1,54,747	1,47,719	-5%	1,65,243	12%
राज्य द्वारा दिए गए ऋण	8,015	9,229	9,393	2%	8,915	-5%
शुद्ध व्यय	**5,48,358**	**6,96,632**	**6,45,710**	**-7%**	**7,57,333**	**17%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

प्रतिबद्ध व्यय: राज्य के प्रतिबद्ध व्यय में वेतन, पेंशन और ब्याज के भुगतान पर व्यय शामिल होता है। बजट के एक बड़े हिस्से को प्रतिबद्ध व्यय की मदों के लिए आवंटित करने से पूंजीगत परिव्यय जैसी अन्य व्यय प्राथमिकताओं पर फैसला लेने का राज्य का लचीलापन सीमित हो जाता है। 2025-26 में उत्तर प्रदेश द्वारा प्रतिबद्ध व्यय पर 3,33,927 करोड़ रुपए खर्च करने का अनुमान है जो इसकी अनुमानित राजस्व प्राप्तियों का 50% है। इसमें वेतन (राजस्व प्राप्तियों का 27%), पेंशन (14%), और ब्याज भुगतान (10%) पर खर्च शामिल है। 2022-23 के संशोधित अनुमान की तुलना में प्रतिबद्ध व्यय में 7% की वृद्धि होने की उम्मीद है। 2023-24 में वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, राजस्व प्राप्तियों का 51% प्रतिबद्ध व्यय पर खर्च किया गया था।

तालिका 3: 2025-26 में प्रतिबद्ध व्यय (करोड़ रुपए में)

प्रतिबद्ध व्यय	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
वेतन	1,26,782	1,80,822	1,40,344	-22%	1,79,111	28%
पेंशन	62,457	86,488	70,999	-18%	90,720	28%
ब्याज भुगतान	47,277	53,712	53,804	0%	64,096	19%
कुल	**2,36,516**	**3,21,021**	**2,65,148**	**-17%**	**3,33,927**	**26%**

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

क्षेत्रवार व्यय: 2025-26 के दौरान उत्तर प्रदेश के बजटीय व्यय का **59%** हिस्सा निम्नलिखित क्षेत्रों के लिए खर्च किया जाएगा। अनुलग्नक 1 में प्रमुख क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश के व्यय की तुलना, अन्य राज्यों से की गई है।

तालिका 4: उत्तर प्रदेश बजट 2025-26 में क्षेत्रवार व्यय (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 वास्तविक	2024-25 बअ	2024-25 संअ	2025-26 बअ	संअ 24-25 से बअ 25-26 में परिवर्तन का %	बजट प्रावधान 2024-25
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	73,200	1,00,335	84,985	1,03,553	22%	▪ गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों को सहायता हेतु 42,234 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत प्राथमिक शिक्षा के लिए 18,657 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
परिवहन	38,688	44,600	45,914	50,919	11%	▪ सड़कों और पुलों पर पूंजीगत परिव्यय के लिए 38,343 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ऊर्जा	49,550	45,832	54,778	49,987	-9%	▪ बिजली सबसिडी के लिए 17,700 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	28,911	42,774	36,431	49,036	35%	▪ शहरी स्वास्थ्य सेवाओं (पश्चिमी चिकित्सा) के लिए 6,427 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं (एलोपैथी) के लिए 5,191 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
पुलिस	28,760	37,398	30,584	38,777	27%	▪ जिला पुलिस को 24,498 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
समाज कल्याण एवं पोषण	25,543	34,747	33,435	36,897	10%	▪ बाल कल्याण के लिए 10,365 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ▪ वृद्ध एवं असहाय व्यक्तियों के कल्याण के लिए 2,207 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
ग्रामीण विकास	28,272	35,993	32,784	36,063	10%	▪ मनरेगा के लिए 6,180 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। ग्राम पंचायतों को सहायता के रूप में 5,458 करोड़ रुपए दिए गए हैं।
जलापूर्ति और स्वच्छता	20,018	28,054	24,048	28,081	17%	▪ जल जीवन मिशन के तहत 18,810 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
शहरी विकास	27,795	23,744	23,621	25,946	10%	▪ शहरी विकास के लिए पूंजीगत परिव्यय के रूप में 6,113 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
कृषि और संबद्ध गतिविधियां	16,823	21,533	20,449	24,215	18%	▪ पशु एवं भैंस विकास के लिए 2,210 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं।
सभी क्षेत्रों मे कुल व्यय का %	**62%**	**60%**	**61%**	**59%**		

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 में प्राप्तियां

- 2025-26 के लिए **कुल राजस्व प्राप्तियां** 6,62,691 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 21% अधिक है। इसमें से 3,19,604 करोड़ रुपए (48%) राज्य **अपने संसाधनों** से जुटाएगा और 3,43,087 करोड़ रुपए (52%) **केंद्र से** प्राप्त होंगे। केंद्र से संसाधन केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी (राजस्व प्राप्तियों का 39%) और अनुदान (राजस्व प्राप्तियों का 13%) के रूप में होंगे।

- **हस्तांतरण**: 2025-26 में केंद्रीय करों में राज्य की हिस्सेदारी 2,55,172 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 11% अधिक है।
- 2025-26 में **केंद्र से अनुदान** 87,915 करोड़ रुपए अनुमानित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से 7% कम है। इसका एक कारण केंद्र प्रायोजित योजनाओं के लिए कुल अनुदान में 8% की कमी हो सकती है। 2024-25 के लिए संशोधित चरण में आवंटन 75,137 करोड़ रुपए था और 2025-26 के लिए इसे घटाकर 68,764 करोड़ रुपए कर दिया गया है। 2023-24 में राज्य को 55,803 करोड़ रुपए का केंद्रीय अनुदान मिला था।
- **राज्य का स्वयं कर राजस्व**: उत्तर प्रदेश का कुल स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 2,95,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जिसमें 2024-25 के संशोधित अनुमान की तुलना में 41% की वृद्धि है। जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में स्वयं कर राजस्व 2025-26 में 9.6% अनुमानित है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान से अधिक है। 2023-24 के वास्तविक आंकड़ों के अनुसार, जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में राज्य का स्वयं कर राजस्व 7.6% था।

तालिका 5: राज्य सरकार की प्राप्तियों का ब्रेकअप (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य के स्वयं कर	1,93,129	2,56,351	2,08,955	-18%	2,95,000	41%
राज्य के स्वयं गैर कर	14,250	24,435	13,407	-45%	24,604	84%
केंद्रीय करों में हिस्सेदारी	2,02,620	2,18,817	2,30,855	6%	2,55,172	11%
केंद्र से अनुदान	55,803	1,07,200	94,390	-12%	87,915	-7%
राजस्व प्राप्तियां	**4,65,801**	**6,06,802**	**5,47,607**	**-10%**	**6,62,691**	**21%**
गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	1,834	3,299	3,299	0%	3,242	-2%
शुद्ध प्राप्तियां	**4,67,636**	**6,10,101**	**5,50,905**	**-10%**	**6,65,933**	**21%**

नोट: बअ बजट अनुमान है; संअ संशोधित अनुमान है। जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान को केंद्र से प्राप्त अनुदान में शामिल किया गया। स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

- 2025-26 में **राज्य जीएसटी** स्वयं कर राजस्व का सबसे बड़ा स्रोत (44% हिस्सा) होने का अनुमान है। राज्य जीएसटी राजस्व में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 57% की वृद्धि का अनुमान है।
- 2025-26 में बिक्री कर/वैट से राजस्व 2024-25 के संशोधित अनुमान से 44% अधिक होने की उम्मीद है।
- राज्य उत्पाद शुल्क से राजस्व 2025-26 में 2024-25 के संशोधित अनुमान से 29% अधिक होने का अनुमान है।

तालिका 6: राज्य के स्वयं कर राजस्व के मुख्य स्रोत (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 वास्तविक	2024-25 बजटीय	2024-25 संशोधित	बअ 24-25 से संअ 24-25 में परिवर्तन का %	2025-26 बजटीय	संअ 24-25 से बअ 25-26 मे परिवर्तन का %
राज्य जीएसटी	75,147	1,00,514	83,175	-17%	1,30,425	57%
राज्य उत्पाद शुल्क	45,571	58,308	48,771	-16%	63,000	29%
सेल्स टैक्स/वैट	31,126	42,733	31,500	-26%	45,300	44%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	26,961	35,652	30,462	-15%	38,150	25%
वाहन कर	11,205	12,505	11,573	-7%	14,000	21%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	2,712	5,777	3,012	-48%	3,500	16%
भूराजस्व	405	863	464	-46%	625	35%
जीएसटी क्षतिपूर्ति अनुदान	4,070	13,735	0	0	-	0

स्रोत: वार्षिक वित्तीय विवरण, राजस्व बजट, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

2025-26 के लिए घाटे, ऋण और एफआरबीएम के लक्ष्य

उत्तर प्रदेश के राजकोषीय दायित्व और बजट प्रबंधन एक्ट, 2004 में राज्य सरकार की बकाया देनदारियों, राजस्व घाटे और राजकोषीय घाटे को प्रगतिशील तरीके से कम करने के लक्ष्यों का प्रावधान है।

राजस्व संतुलन: यह सरकार के राजस्व व्यय और राजस्व प्राप्तियों के बीच का अंतर होता है। राजस्व घाटे का यह अर्थ होता है कि सरकार को अपना व्यय पूरा करने के लिए उधार लेने की जरूरत है जोकि भविष्य में पूंजीगत परिसंपत्तियों का सृजन नहीं करेगा और न ही देनदारियों को कम करेगा। बजट 2025-26 में 79,516 करोड़ रुपए (या जीएसडीपी का 2.6%) के राजस्व अधिशेष का अनुमान है। राजकोषीय घाटे के साथ राजस्व अधिशेष इस बात का संकेत होता है कि राज्य सरकार की उधारी का उपयोग पूंजीगत निर्माण के लिए किया जा सकता है।

राजकोषीय घाटा: यह कुल प्राप्तियों पर कुल व्यय की अधिकता होता है। यह अंतर सरकार द्वारा उधारियों के जरिए पूरा किया जाता है और राज्य सरकार की कुल देनदारियों में वृद्धि करता है। 2025-26 में राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3% रहने का अनुमान है। 2025-26 के लिए केंद्र सरकार ने राज्यों को जीएसडीपी के 3% तक राजकोषीय घाटे की अनुमति दी है। बिजली क्षेत्र में सुधार के लिए जीएसडीपी के 0.5% तक अतिरिक्त उधार लेने की गुंजाइश भी उपलब्ध होगी।

संशोधित अनुमान के अनुसार 2024-25 में राज्य का राजकोषीय घाटा जीएसडीपी का 3.4% होने की उम्मीद है जबकि बजट अनुमान स्तर पर यह जीएसडीपी का 3.5% था। 2026-27 तक राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के 2.9% तक होने का अनुमान है।

बकाया देनदारियां: वित्तीय वर्ष के अंत में राज्य की कुल उधारियां जमा होकर बकाया देनदारियां बन जाती हैं। इसमें लोक लेखा की देनदारियां भी शामिल हैं। 2025-26 के अंत में उत्तर प्रदेश की बकाया देनदारियां जीएसडीपी का 29.4% होने का अनुमान है जो 2024-25 के संशोधित अनुमान (जीएसडीपी का 30.8%) से कम है। 2028-29 के अंत तक बकाया देनदारियां जीएसडीपी के 27.5% तक कम होने का अनुमान है।

घाटे में चल रही सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां

राज्य सरकार के 37 सार्वजनिक उपक्रमों के ऑडिट में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने पाया कि 21 सार्वजनिक उपक्रमों को 2021-22 में 15,857 करोड़ रुपए का घाटा हुआ। 2019-20 और 2020-21 में 20 सार्वजनिक उपक्रमों को क्रमशः 7,347 करोड़ रुपए और 11,154 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। घाटे में चल रहे प्रमुख सार्वजनिक उपक्रमों में उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (8,305 करोड़ रुपए), दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (2,958 करोड़ रुपए) और मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (2,042 करोड़ रुपए) शामिल हैं। मार्च 2022 तक सार्वजनिक उपक्रमों में कुल निवेश 2.81 लाख करोड़ रुपए था, जिसमें से 55% (1.55 लाख करोड़ रुपये) उत्तर सरकार द्वारा निवेश किया गया था। कैग ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार घाटे में चल रहे सार्वजनिक उपक्रमों के प्रदर्शन की समीक्षा कर सकती है तथा उनमें सावधानीपूर्वक निवेश कर सकती है।

कैग ने यह भी पाया कि सरकार के वित्त खातों और राज्य पीएसयू के रिकॉर्ड में इक्विटी, ऋण और गारंटी के आंकड़ों के बीच काफी अंतर मौजूद हैं। ये अंतर कई वर्षों से कायम हैं। 31 मार्च, 2022 तक 74 पीएसयू के संबंध में ऐसे अंतर मौजूद थे। उदाहरण के लिए, राज्य पीएसयू के रिकॉर्ड और राज्य के वित्त खातों के बीच इक्विटी में 19,530 करोड़ रुपए और ऋण में 1,608 करोड़ रुपए का अंतर है।

स्रोत: कैग कंप्लायंस ऑडिट- सिविल और वाणिज्यिक (2024); पीआरएस।

रेखाचित्र 2: राजस्व एवं राजकोषीय संतुलन (जीएसडीपी का %)

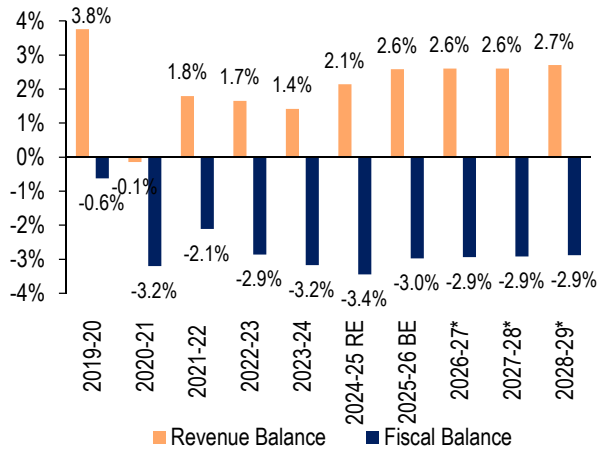

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। RE संशोधित अनुमान है; BE बजट अनुमान है। नेगेटिव आंकड़े घाटे का संकेत हैं। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

रेखाचित्र 3: बकाया देनदारियां (जीएसडीपी का %)

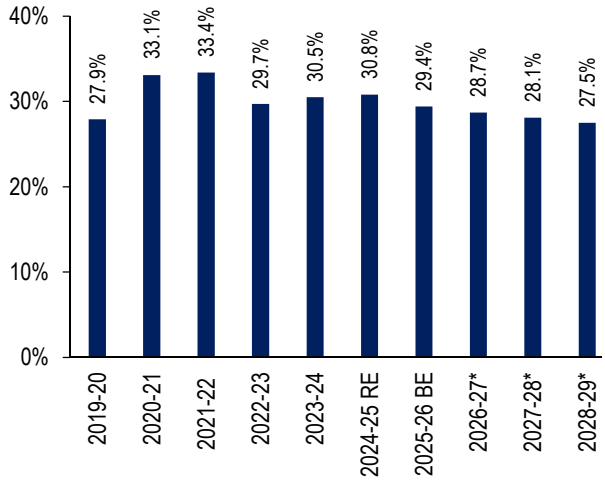

नोट: *2026-27 के बाद के आंकड़े अनुमान हैं। BE बजट अनुमान है। स्रोत: मध्यम अवधि की राजकोषीय नीति, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज़ 2025-26; पीआरएस।

बकाया सरकारी गारंटी: राज्यों की बकाया देनदारियों में कुछ अन्य देनदारियां शामिल नहीं हैं जो आकस्मिक हैं और जिन्हें कुछ मामलों में राज्यों को पूरा करना पड़ सकता है। राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम (एसपीएसई) वित्तीय संस्थानों से जो उधारी लेते हैं, उनकी गारंटी राज्य सरकारें देती 31 मार्च, 2024 तक राज्य की बकाया गारंटी 1,66,230 करोड़ रुपए होने का अनुमान है जो उत्तर प्रदेश के जीएसडीपी का 6.5% है।

डिस्क्लेमर: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

अनुलग्नक 1: मुख्य क्षेत्रों में राज्य के व्यय की तुलना

निम्नलिखित रेखाचित्रों में छह मुख्य क्षेत्रों में अन्य राज्यों के औसत व्यय के अनुपात में उत्तर प्रदेश के कुल व्यय की तुलना की गई है। क्षेत्र के लिए औसत, उस क्षेत्र में 31 राज्यों (उत्तर प्रदेश सहित) द्वारा किए जाने वाले औसत व्यय (2024-25 के बजटीय अनुमानों के आधार पर) को इंगित करता है।[1]

- **शिक्षा**: उत्तर प्रदेश ने 2025-26 में शिक्षा पर अपने व्यय का 13.8% हिस्सा आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा शिक्षा के लिए औसत आवंटन (15%) से कम है।
- **स्वास्थ्य**: उत्तर प्रदेश ने 2025-26 में स्वास्थ्य पर अपने व्यय का 6.6% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा स्वास्थ्य के लिए औसत आवंटन (6.2%) से अधिक है।
- **ग्रामीण विकास**: उत्तर प्रदेश ने 2025-26 में ग्रामीण विकास पर अपने व्यय का 4.8% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा ग्रामीण विकास के लिए औसत आवंटन (5.1%) से कम है।
- **ऊर्जा**: उत्तर प्रदेश ने 2025-26 में ऊर्जा के लिए अपने व्यय का 6.7% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा ऊर्जा के लिए औसत आवंटन (5%) से अधिक है।
- **कृषि**: उत्तर प्रदेश ने 2025-26 में कृषि पर अपने व्यय का 3.2% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा कृषि के लिए औसत आवंटन (6.3%) से कम है।
- **सिंचाई**: उत्तर प्रदेश ने 2025-26 में सिंचाई पर अपने व्यय का 3.1% आवंटित किया है। यह 2024-25 में अन्य राज्यों द्वारा सिंचाई के लिए औसत आवंटन (3.4%) से कम है।

कुल बजट में शिक्षा पर व्यय का प्रतिशत

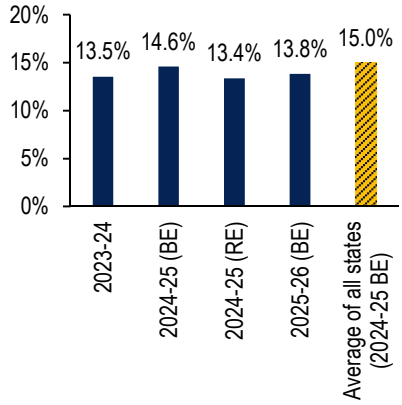

कुल बजट में स्वास्थ्य पर व्यय का प्रतिशत

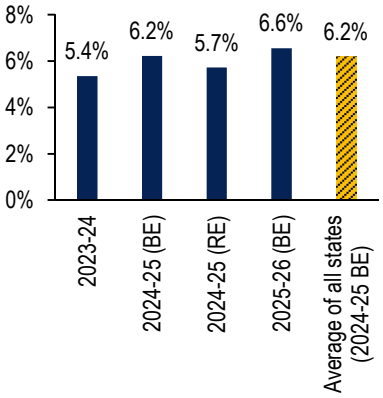

कुल बजट में ग्रामीण विकास पर व्यय का प्रतिशत

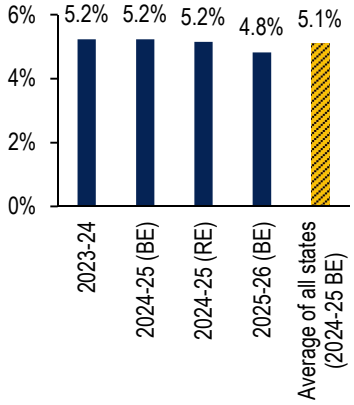

[1] 31 राज्यों में दिल्ली, जम्मू एवं कश्मीर और पुद्दूचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं।

कुल बजट में ऊर्जा पर व्यय का प्रतिशत

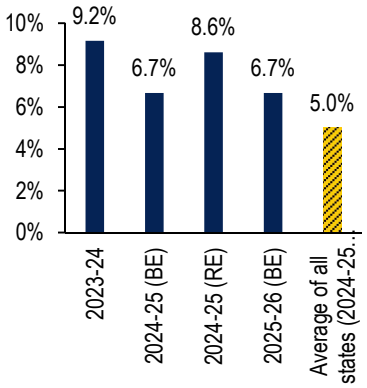

कुल बजट में कृषि पर व्यय का प्रतिशत

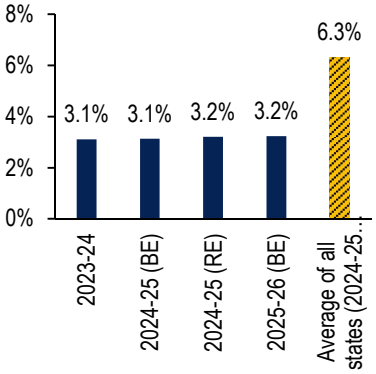

कुल बजट में सिंचाई पर व्यय का प्रतिशत

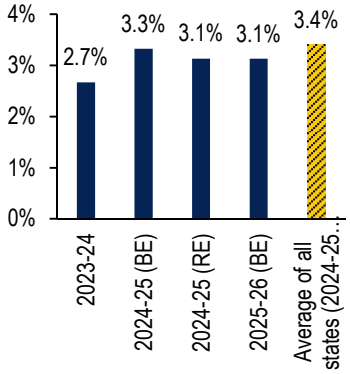

नोट: 2023-24, 2024-25 (बअ), 2024-25 (संअ), और 2025-26 (बअ) के आंकड़े उत्तर प्रदेश के हैं।
स्रोत: वार्षिक वित्तीय वक्तव्य, उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज 2025-26; विभिन्न राज्य बजट; पीआरएस।

अनुलग्नक 2: 2023-24 के बजटीय अनुमानों और वास्तविक के बीच तुलना

यहां तालिकाओं में 2023-24 के वास्तविक के साथ उस वर्ष के बजटीय अनुमानों के बीच तुलना की गई है।

तालिका 7: प्राप्तियों और व्यय की झलक (करोड़ रुपए में)

मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
शुद्ध प्राप्तियां (1+2)	**5,74,178**	**4,67,636**	**-19%**
1. राजस्व प्राप्तियां (क+ख+ग+घ)	5,70,866	4,65,801	-18%
क. स्वयं कर राजस्व	2,62,634	1,93,129	-26%
ख. स्वयं गैर कर राजस्व	23,791	14,250	-40%
ग. केंद्रीय करों में हिस्सा	1,83,238	2,02,620	11%
घ. केंद्र से सहायतानुदान	1,01,203	55,803	-45%
2. गैर ऋण पूंजीगत प्राप्तियां	3,312	1,834	-45%
3. उधारियां	1,09,115	1,20,654	11%
शुद्ध व्यय (4+5+6)	**6,59,061**	**5,48,358**	**-17%**
4. राजस्व व्यय	5,02,354	4,29,788	-14%
5. पूंजीगत परिव्यय	1,47,492	1,10,555	-25%
6. ऋण और अग्रिम	9,215	8,015	-13%
7. ऋण पुनर्भुगतान	31,181	21,389	-31%
राजस्व संतुलन	**68,512**	**36,013**	**-153%**
राजस्व संतुलन जीएसडीपी का %)	2.8%	1.4%	
राजकोषीय घाटा	**84,883**	**80,723**	**-5%**
राजकोषीय घाटा (जीएसडीपी का %)	3.5%	3.2%	

स्रोत: विभिन्न वर्षों के उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 8: राज्य के स्वयं कर राजस्व के घटक (करोड़ रुपए में)

कर स्रोत/मद	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
भू राजस्व	962	405	-58%
बिजली पर टैक्स और ड्यूटी	6,440	2,712	-58%
राज्य जीएसटी	1,08,212	75,147	-31%
सेल्स टैक्स/वैट	41,788	31,126	-26%
स्टाम्प ड्यूटी और पंजीकरण शुल्क	34,560	26,961	-22%
राज्य उत्पाद शुल्क	58,000	45,571	-21%
वाहन कर	12,672	11,205	-12%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।

तालिका 9: मुख्य क्षेत्रों के लिए आवंटन (करोड़ रुपए में)

क्षेत्र	2023-24 बअ	2023-24 वास्तविक	बअ से वास्तविक में परिवर्तन का %
आवास	11,540	6,263	-46%
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण	47,404	28,911	-39%
सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण	22,038	14,422	-35%
अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण	6,085	4,327	-29%
सामाजिक कल्याण एवं पोषण	33,378	25,543	-23%
पुलिस	35,579	28,760	-19%
जलापूर्ति एवं स्वच्छता	24,504	20,018	-18%
शिक्षा, खेल, कला एवं संस्कृति	85,003	73,200	-14%
ग्रामीण विकास	32,771	28,272	-14%
कृषि एवं संबद्ध गतिविधियां	18,668	16,823	-10%
परिवहन	41,286	38,688	-6%
जिनमें से सड़कें और पुल	*38,338*	*36,223*	*-6%*
शहरी विकास	28,465	27,795	-2%
ऊर्जा	43,330	49,550	14%

स्रोत: विभिन्न वर्षों के उत्तर प्रदेश बजट दस्तावेज; पीआरएस।